भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1853

जिसका उत्तर 04 अगस्त, 2023 को दिया जाना है।

13 श्रावण, 1945 (शक)

डिजाइन से जुड़े प्रोत्साहन योजना

1853. श्री एस. निरंजन रेड्डी :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) डिजाइन से जुड़े प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के कार्यान्वयन के लिए कौन-सी नोडल एजेंसी नियुक्त की गई है;

(ख) डीएलआई योजना विशेषकर उत्पाद डिजाइन से जुड़े प्रोत्साहन और नियोजन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत जारी और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में इलेक्ट्रॉनिक चिप पारितंत्र के विकास के लिए 76,000 करोड़ रुपये की योजना के भाग के रूप में सेमी-कंडक्टर क्षेत्र में उत्पाद डिजाइन में शामिल कंपनियों की राज्य-वार संख्या कितनी है; और

(घ) इस योजना के अंतर्गत आन्ध्र प्रदेश को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने के साथ-साथ डिजाइन अवसंरचना प्रदान करने के लिए जारी की गई निधियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क): भारत तेजी से बढ़ती वैश्विक इलेक्ट्रॉनिकी और सेमीकंडक्टर मूल्य और आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक विश्वसनीय प्लेयर के रूप में उभर रहा है। देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले इकोसिस्टम को गति देने के लिए , भारत सरकार ने 76,000 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम को मंजूरी दी है। फ्यूचरडिजाइन : डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजना को देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में शामिल डिजाइन और डीप टेक स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने और समर्थन देने के लिए सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम के हिस्से के रूप में मंजूरी दी गई है। फ्यूचरडिजाइन : डीएलआई योजना का लक्ष्य **5** वर्षों की अवधि में इंटीग्रेटेड सर्किट (आईसी), चिपसेट, सिस्टम ऑन चिप्स (एसओसी), सिस्टम और आईपी कोर और सेमीकंडक्टर लिंक्ड डिज़ाइन के लिए सेमीकंडक्टर डिजाइन के विकास और नियोजन के विभिन्न चरणों में वित्तीय प्रोत्साहन के साथ-साथ डिजाइन टूल समर्थन प्रदान करना है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत काम करने वाली एक वैज्ञानिक सोसायटी सी-डैक (सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग) फ्यूचरडिजाइन: डीएलआई योजना को लागू करने के लिए नोडल एजेंसी है।

(ख) और (ग): अब तक फ्यूचर डिजाइन डीएलआई स्कीम के अंतर्गत कोई निधि जारी नहीं की गई है। कंपनियों के निम्नलिखित राज्य-वार विवरण के अनुसार 7608.3 लाख रुपये के समग्र परिव्यय के साथ फ्यूचर डिजाइन: डीएलआई योजना के तहत समर्थन के लिए सात (7) स्टार्ट-अप / एमएसएमई कंपनियों को मंजूरी दी गई है। अनुमोदित लक्ष्यों को प्राप्त करने के बाद अनुमोदित कंपनियों को फ्यूचर डिजाइन:डीएलआई स्कीम के अंतर्गत निधियां जारी की जाएंगी।

#	**कंपनी का नाम**	**स्टार्टअप/एमएसएमई**	**राज्य**	**परियोजना अवधि (महीने)**	**अनुमोदित परिव्यय (लाख रूपये में)**
1	DV2जे एस इनोवेशन एलएलपी	स्टार्ट अप	दिल्ली	18	341.5

2	वर्वेसेमी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	एमएसएमई	उत्तर प्रदेश	30	1353.0
3	फर्मियोनिक डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड	स्टार्ट अप	कर्नाटक	33	413.9
4	मॉर्फिंग मशीन्स प्राइवेट लिमिटेड	एमएसएमई		18	1024.4
5	कैलिगो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	एमएसएमई		21	1475.5
6	अहिंसा डिजिटल इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड	स्टार्ट अप	तमिलनाडु	24	1500.0
7	नेत्रसेमी प्राइवेट लिमिटेड	स्टार्ट अप	केरल	36	1500.0

फ्यूचरडिज़ाइन: डीएलआई योजना के तहत आंध्र प्रदेश राज्य के किसी भी आवेदक को अब तक कोई धनराशि / वित्तीय प्रोत्साहन जारी नहीं किया गया है क्योंकि अब तक आंध्र प्रदेश राज्य से कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

****